जानबूझ कर इसको टाल रहा है । इसलिये मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि बिजली, पानी और सीवरज की व्यवस्था उस इलाके में कब तक हो जायेगी ?

श्री मल्लिकार्जुन : मान्यवर, डी डी ए जान बूझ कर इस व्यवस्था को टाल नहीं रहा है। रिएलाइनमेंट का जो प्रश्न था उसके संबंध में सदन को बता दिया गया है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN; Shri M. Basavaraju—not there.

मदर डेरी संयंत्र के अवशिष्ट पदार्थों का सड़क के किनारे फेंका जाना

*164. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि साउथ गणेश नगर, दिल्ली के निकट स्थित मदर डेरी संयंत्र के अवशिष्ट पदार्थों को भारी मात्रा में सड़क के किनारे फेंक दिया जाता है और मलबे के इस तरह फेंके जाने के कारण आसपास के इलाके में गन्दगी एवं विभिन्न प्रकार की भयंकर बीमारियों के जीवाणु फैल गये हैं जिससे निकटवर्ती इलाकों के निवासियों का जीवन शोचनीय बन गया है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि गणेश नगर कल्याण समिति के महासचिव ने इस सम्बन्ध में "दिल्ली पोस्ट" साप्ताहिक के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित किया था ; और

(ग) यदि हां, तो इस दिशा में अब तक क्या कार्यवाही की गई है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) जी नहीं। मदर डेरी द्वारा स्थापित बहिःस्राव अभिक्रिया संयंत्र द्वारा उपचारित फालतू पानी पाइप-लाइन के जरिए शाहदरा निकास नहर में छोड़ा जाता है। कूड़ा-कचरा बाहर निकाल लिया जाता है और उसे सुखाने के लिए विशेष रूप से बनाई गई जगह पर फैला दिया जाता है और उसे संयंत्र के परिसर के अन्दर ही सुखाया जाता है न कि उसे बाहर फेंका जाता है। कूड़ा-कचरा सुखाने की जगह का निर्माण बहिःस्राव अभिक्रिया संयंत्र के एक आवश्यक सहायक यंत्र के रूप में किया गया है। इस मंत्रालय को रोग फैलने की किसी घटना के बारे में कोई सूचना नहीं मिली है।

(ख) "दिल्ली पोस्ट" के दिनांक 14-3-1984 के संस्करण में यह छपा था कि गणेश नगर आवासीय कल्याण समिति के महासचिव ने वहां से उठने वाली बदबू तथा आसपास के स्थानों में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य को होने वाले खतरे के बारे में शिकायत की है।

(ग) इस मंत्रालय के अनुरोध पर स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, दिल्ली प्रशासन, नई दिल्ली नगर-पालिका के स्वास्थ्य अधिकारी तथा दिल्ली नगर निगम से इस विषय पर रिपोर्ट मांगी है।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : मान्यवर, मलबा और गंदगी आबादी वाले स्थान पर गिराया जा रहा है और जो शिकायत थी क्या उस शिकायत के आधार पर माननीय मंत्री जी इसका आश्वासन देंगे कि मलबा और गंदगी ऐसे स्थान पर गिराई जाएगी जहां पर आबादी न हो और जिससे संक्रामक रोग न फैल सकें ?

श्री योगेन्द्र मकवाणा : मैंने कहा कि यह बात गलत है क्योंकि अप्रैल 1982 में वहां पर ऐफ्लुयेंट प्लांट लगा दिया गया है, और 25 लाख रुपये की कास्ट से और उसको ट्रीट किया जाता है और उसको बहुत दूर शाहदरा में फेंका जाता है। जो ड्राई हो जाता है

म्युनिसिपैलिटो का डंपिग करने का स्थान है वहां पर डम्प किया जाता है ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : : श्रीमन्, मेरा दूसरा सवाल यह है कि क्या वहां पर जो संक्रामक रोग फैले उसके कारण उस बस्तो में चार लोगों की मृत्यु हुई ?

श्री योगेन्द्र मकवाणा : ऐसो कोई इंफार्मेशन मेरे पास नहीं है ।

Development of a port for offshore exploration of natural gas and petroleum in Gujarat

*165. DR. (SHRIMATI) NAJMA HEPTULLA; Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether the Gujarat Govern ment has urged the Central Govern ment to develop a port in the State exclusively for the use of offshore ex ploration of natural gas and petro leum;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) what action the Central Government propose to take in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI Z. R. ANSARI): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise.

DR. (SHRIMATI) NAJMA HEPTULLA: Sir, yesterday the Finance Minister, while speaking on the Finance Bill, informed this House how much development and progress is being made in oil exploration and production. I hope that in future years also oil exploration and production will increase and that a time will come when we will not only be self-sufficient in oil but we will become an oil-exporting country. Will the Government explore the possibilities of

Previously Starred Q.uestior No. 5, transferred from 23rd April, 1984.

taving a separate terminal port especially for oil export.

SHRI K. VIJAYA BHASKARA REDDY; Sir, I entirely agreei with her views. But this will be taken up by the other Ministry, the Petroleum Ministry.

DR. (SHRIMATI) NAJMA HEPTULLA: It is not a question of the other Ministry, These two Ministries are joined together. They should have rapport.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Put the second supplementary.

डा० (श्रीमती) नाजमा हेपतुल्ला : क्या सरकार इस बारे में आइल मिनिस्ट्री के साथ कुछ विचार विमर्श करेगी और क्या न सिर्फ गुजरात में बल्कि महाराष्ट्र में भी एक पोर्ट बनाने के बारे में विचार करेगी ?

श्री उपसभापति : : वह दूसरा सवाल हो गया ।

SHRI K. VIJAYA BHASKARA DY: As On today this Ministry is not thinking of it. If the Petroleum Ministry initiates it, that is a thing that will be considered later.

Expression of pro-India sentiments by a US Senate Sub-Committee

*166. SHRI B SATYANARAYAN REDDY: Will theMinister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Governemnt are aware of a PTI despatch from Washington on March 9, 1984 to the effect that the US Assistant Secretary of State and Deputy Assistant ' Administrator of Agency for International Development underlined the importance of the Indo-American relations before a Senate Sub-Committee; and

(b) whether the Government **of** India are taking steps to reciprocate such sentiments?